

इंदौर, मंडला, भोपाल, जबलपुर, कटनी, मुंबई, दिल्ली, रायपुर,नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यशभारत

● वर्ष-01 अंक-126 ● इंदौर ● बुधवार, 23 सितम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद शुक्ल 11● विक्रम संवत् 2083

रिश्तों को समय
और सम्मान दें।
ये आपकी सबसे
बड़ी पूँजी हैं।

इश्क की तालिबानी सजा: तार से बांधा, करंट दौड़ाया

मंडला, यशभारत। नैनपुर थाना क्षेत्र के खिरसारू गांव में युवक-युवती को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट करने और बिजली के तार से करंट लगाने के मामला के उजागर होने के बाद हड़कंप मच गया। घटना में गंभीर रूप से घायल युवक अभिषेक धुर्वे की नागपुर में इलाज के दौरान 16 सितंबर को मौत हो गई। मौत के बाद पुलिस ने मर्ग जांच को हत्या के प्रकरण में बदलते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक मामले में तकनीकी साक्ष्य, प्रत्यक्ष बयानों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच आगे ब?ई जा रही है।

घटना 26 अगस्त की है। नैनपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि खिरसारू गांव में एक युवक और युवती खेत में घायल अवस्था में अलग-अलग स्थानों पर प?े हैं। दोनों



सिवनी के युवक की मंडला में नृशंस हत्या, युवती डुलसी

के बीच करीब 100 से 200 मीटर की दूरी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को नैनपुर अस्पताल में भर्ती कराया। युवती होश में थी और बयान देने की स्थिति में थी, जबकि अभिषेक की हालत गंभीर होने के कारण वह ठीक से अपनी बात नहीं बता पा रहा था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए नागपुर रेफर किया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि अभिषेक मूल रूप से सिवनी जिले का रहने वाला था और युवती से मिलने खिरसारू गांव आया था। पुलिस के अनुसार दोनों को गांव के कुछ लोगों ने एक साथ देख लिया। उनके मिलने पर आपत्ति जताते हुए आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की। आरोप है कि इसके बाद युवक-युवती को बिजली के तार से बांधकर करंट लगाया गया। गंभीर हालत में दोनों को

पटवारियों के नाम नहीं... अब शासन के नाम होगी स्वामित्व योजना की रजिस्ट्री

भोपाल, यशभारत। स्वामित्व योजना के तहत होने वाली संपत्तियों की रजिस्ट्री को लेकर मध्य प्रदेश सरकार ने व्यवस्था में बदलाव का फैसला किया है। अब इन संपत्तियों की रजिस्ट्री पटवारी के नाम पर नहीं, बल्कि शासन के नाम पर की जाएगी। पटवारियों की नाराजगी के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि इस संबंध में विभाग के प्रमुख सचिव से चर्चा हो चुकी है और आगे रजिस्ट्री प्रक्रिया में पटवारियों को किसी तरह की पेशानी नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गवली ने ‘स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं



पंजीयन योजना-2026’ का शुभारंभ किया था। योजना के तहत प्रदेश में करीब 50 लाख निजी संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों का नि:शुल्क पंजीयन किया जाना है। राज्य सरकार इस अभियान पर करीब 4 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी।

68.47 लाख अधिकार अभिलेख तैयार

स्वामित्व योजना के तहत गाामीण आबादी वाले क्षेत्रों में संपत्तियों के अधिकार अभिलेख तैयार किए जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 41,586 गांवों में 68.47 लाख अधिकार अभिलेख तैयार किए जा चुके हैं। इनमें से करीब 50 लाख निजी संपत्तियों के दस्तावेजों का पंजीयन इस अभियान के तहत गुप्त किया जाएगा। योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे गाामीण परिवारों को संपत्ति का वैध दस्तावेज उपलब्ध कराना है, जिनके पास मालिकाना हक तो है, लेकिन पंजीकृत दस्तावेज नहीं है। पंजीयन के लिए हितवाहियों से स्टाम्प ड्यूटी या पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाएगा। संपत्ति के दस्तावेज मिलने से गाामीण परिवार घर निर्माण, कारोबार, खेती और अन्य आर्थिक गुरुत्वों के लिए ऋण लेने में सक्षम हो सकेंगे, जिससे गाामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों और आजीविका को बढ़ाव मिलेगा।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला क्रिकेट का फिर

स्वर्णिम परचम, श्रीलंका को 147 रन से रौंदा

निशिन (जापान), एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। कोरोजी एथलेटिक पार्क स्थित कोरोजी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए एकतरफा फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर अपना कॉन्टिनेंटल खिताब बरकरार रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 216/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में महज 69 रन पर सिमट गई। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला स्वर्ण है।

मंधाना की तूफानी पारी, ऋद्धा का विस्फोटक फिनिश

भारत के विशाल स्कोर की नींव उपकप्तान स्मृति मंधाना ने रखी। उन्होंने 45 गेंदों में 79 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें सात छक्के शामिल रहे। शेफाली वर्मा ने भी 48 रन बनाकर भारत को तेज शुरुआत दी। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धा घोष ने तूफानी अंदाज में पारी को अंजाम तक पहुंचाया। ऋद्धा ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 49 रन ठेककर भारतीय स्कोर को 216 रन तक पहुंचा दिया। यह एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट फाइनल में किसी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा।

दीप्ति की फिरकी में फंसी श्रीलंका

217 रन के लक्ष्य का पीछे करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई। कोई भी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सका। स्टर अल्लराउंडर दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में महज छह रन देकर तीन विकेट झटकें और श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। अन्य गेंदबाजों ने भी लगातार विकेट लेकर श्रीलंका को 69 रन पर समेट दिया। भारत ने 147 रन की विशाल जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।



टीम को पीएम ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय महिला टीम को स्वर्णिम सफलता पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई पोस्ट में कहा गया कि इंडियन क्रिकेट के लिए शानदार जीत। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत बधाई।यह खेलों में एक जबरदस्त प्रदर्शन था, जिसमें आत्मविश्वास, स्किल और शानदार टीमवर्क दिखा। इस जीत से भारत को इस संस्करण का पहला स्वर्ण पदक भी मिला है। देश को गर्व महसूस कराया है और यह के अनगिनत युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करेगी।

पुरुषों के एकमात्र टी-20 मुकाबले में जापान पर रोमांचक 2 रन की जीत

इससे पहले बारिश से प्रभावित पुरुषों के एकमात्र टी-20 मुकाबले में भारत ने जापान को आखिरी गेंद तक चले रोमांच में दो रन से हराया। सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मुकाबला पांच-पांच ओवर का कर दिया गया था। भारत ने 5 ओवर में 32 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी।भारत की शुरुआत खराब रही। अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि संजु सैमसन ने 7 गेंदों पर 9 रन बनाए। ईशान किशन 3 रन पर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 12 गेंदों में 16 रन बनाकर टीम को संभाला। तिलक वर्मा एक रन पर नाबाद रहे।जापान के खिलाफ भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवर में संयम बनाए रखा। जापान को अंतिम ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। अक्षर पटेल ने पहली दो गेंदों पर सिर्फ दो रन दिए। तीसरी गेंद वाइड रही, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार चार गेंदों पर जापानी बल्लेबाजों को बाउंड्री नहीं लगाने दी। जापान 30 रन तक ही पहुंच सका और भारत ने दो रन से मुकाबला जीत लिया।

दरिंदगी से दहली राजधानी, जमुई तक बेटियां निशाने पर

किशोरी से गैंगरेप का आरोप, बच्ची को बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न, मासूम से हैवानियत का आरोप

नई दिल्ली/जमुई, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर बिहार के जमुई तक नाबालिग बच्चियों और किशोरियों के खिलाफ सामने आई यौन अपराधों की घटनाओं ने एक बार फिर महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली में अलग-अलग इलाकों में तीन नाबालिगों के साथ यौन अपराध के मामले सामने आए हैं, जबकि बिहार के जमुई में भी कोंचिंग से लौट रही एक नाबालिग के साथ बदसलूकी और जबरन ले जाने के आरोप सामने आए हैं। पुलिस ने दिल्ली के तीनों मामलों में कार्रवाई शुरू कर दी है।

कालकाजी में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप

कालकाजी मंदिर के पीछे सोमवार शाम 17 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार किशोरी अपने नाबालिग मित्र के साथ मंदिर में दर्शन के लिए आई थी। इसके बाद दोनों मंदिर के पीछे की ओर चले गए। शाम करीब 7.30 बजे तीन युवक वहां पहुंचे और कथित तौर पर खुद को पुलिसकर्मी बताकर दोनों को धमकाया। आरोप है कि इसके बाद तीनों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।



दुकान में बुलाकर छात्रा को बंधक बनाने का आरोप

सदर बाजार इलाके में 16 सितंबर की रात 11 वर्षीय छ्त्री कक्षा की छात्रा के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया। पुलिस ने 56 वर्षीय दर्जी मकसूद को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने छात्रा को बहला-फुसलाकर दुकान में बुलाया और वहां उसके हाथ-पैर बांधकर उसे बंधक बना लिया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और बंधक बनाने से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

छह साल की बच्ची के मामले में आरोपी पुलिस के हवाले

किशनगंज इलाके में छह वर्षीय बच्ची के कथित यौन शोषण का मामला भी सामने आया है। स्थानीय लोगों ने 34 वर्षीय अफिकत को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग सिद्धीपुरा पुलिस चौकी पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जमुई में नाबालिग से बदसलूकी का आरोप

बिलार के जमुई में 19 सितंबर की शाम कोंचिंग से लौट रहे दो नाबालिग सड़क किनारे फोटो खींच रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और नाबालिग लड़की के साथ बदसलूकी शुरू कर दी। उसके कपड़े फाड़ने और जबरन अपने साथ ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। मामले की जांच की जा रही है।लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं सिर्फ कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्थानों, रास्तों और आपास के माहौल में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। नाबालिगों से जुड़े मामलों में त्वरित जांच, पीड़ितों की सुरक्षा और कानून के तहत प्रभावी कार्रवाई अहम है।

राज्यसभा के लिए यूपी की 10 और उत्तराखंड

की एक सीट पर चुनाव का एलान

नई दिल्ली , एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की कुल 12 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन सभी सीटों पर 16 अक्तूबर को मतदान कराया जाएगा और उसी दिन मतगणना भी होगी। आयोग के अनुसार, इसमें उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की एक सीट पर होने वाले नियमित चुनाव शामिल हैं, जहां मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की एक खाली सीट के लिए उपचुनाव भी कराया जाएगा। चुनाव के लिए अधिसूचना 29 सितंबर को जारी की जाएगी और उम्मीदवार 6 अक्तूबर तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे।

तीन गिरफ्तार, युवती का इलाज जारी

पुलिस ने मामले में चमरालाल उर्फ भूरा मरावी (56), लालसिंह उर्फ नरबट मरावी (27) और सुशील कुमार उर्फ युवतू मरावी (करीब 29-30 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ और जांच में तीनों की घटना में सलिपता सामने आने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। न्यायालय ने तीनों को जेल भेज दिया।घटना में घायल युवती का भी इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक घटना के बाद उसका परिवार उसे घर ले गया था। बाद में उसकी स्वास्थ्य स्थिति ठीक नहीं होने की जानकारी मिलने पर महिला पुलिस बल की मदद से उसे नैनपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अब युवती के बयान, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध तथ्यों को जांच में शामिल कर रही है।

जिंदगी की जंग हारा अभिषेक

घटना के बाद अभिषेक की हालत लगातार गंभीर बनी रही। नागपुर में उपचार के दौरान 16 सितंबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

इनका कहना है ...

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चमरू सिंह ,लाल सिंह व सुशील कुमार को आरोपी बनाया गया है पीडित युवक अभिषेक पुर्वे की 16 सितंबर को मौत हो गई थी विवेचना जारी है।

शिवकुमार वर्मा , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , मंडला

सागर शराब त्रासदी

बंडा थाने व दो चौकियों से हटाए गए 39 पुलिसकर्मी ASI राजेंद्र पांडे को गूगर चौकी की कमान

सागर, यशभारत । जिले के बहुचर्चित बंडा जहरीली शराबकांड के करीब 15 दिन बाद पुलिस विभाग में अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की गई है। मामले में पुलिस की लापरवाही और बदहाल कानून-व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों के बीच पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनुराग सुजानिया ने कड़ा रुख अपनाया है। एसपी ने बंडा थाने सहित गूगरा और बरा चौकी में पदस्थ पूरे अमले पर गाज गिराते हुए एक साथ 39 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से रक्षित केंद्र (लाइन अटैच) भेज दिया है।

?एसपी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, गाज की जद में आए 39 पुलिसकर्मियों में 2 उप निरीक्षक (SI), 23 प्रधान आरक्षक व कार्यवाहक प्रधान आरक्षक तथा 14 आरक्षक शामिल हैं। एक साथ इतने बड़े पैमाने पर मैदानी अमले को हटाए जाने की कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहने के कारण यह कठोर अनुशासनात्मक कदम उठाया गया है।



नई नियुक्तियां, ASI राजेंद्र पांडे बने गूगरा चौकी प्रभारी

बंडा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग को तत्काल पटरी पर लाने के लिए एसपी ने रक्षित केंद्र और जिले के अन्य थानों से नए बल की तैनाती कर दी है। इस फेरबदल के तहत गुगरा चौकी की कमान सहायक उप निरीक्षक (ASI) राजेंद्र पांडे को सौंपी गई है। एसपी ने नए तैनात अधिकारियों और कार्यवाहियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं कि क्षेत्र में किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाया जाए।

यह था पूरा मामला

गौरतलब है कि बंडा थाना क्षेत्र में जहरीली शराब के सेवन से हुई दुष्ट घटना के बाद से ही स्थानीय पुलिस की भूमिका और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे थे। घटना के बाद से वरिष्ठ अधिकारी लगातार जमीनी स्थिति और पुलिस अमले की भूमिका की समीक्षा कर रहे थे। अखिरकार 15 दिनों की जांच और स्थिति के आकलन के बाद एसपी ने मैदानी स्तर पर यह बड़ा प्रशासनिक फैरबदल कर दिया।

दतिया विधायक घनश्याम सिंह के निर्वाचन को हाईकोर्ट में चुनौती, 1991 के केस की जानकारी छिपाने का आरोप

भोपाल, यशभारत। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की जीत के करीब डेढ़ माह बाद उनके निर्वाचन को जबलपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। दतिया के भाजपा नेता एवं अधिवक्ता दीपक बेलपत्री ने अधिवक्ता शिवम गौतम के माध्यम से 17 सितंबर को चुनाव याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि घनश्याम सिंह ने चुनावी शपथपत्र में वर्ष 1991 में दर्ज एक आपराधिक मामले की जानकारी नहीं दी।याचिका के मुताबिक घनश्याम सिंह ने अपने शपथपत्र में दो आपराधिक मामलों का उल्लेख किया था, लेकिन वर्ष 1991 में दर्ज एक अन्य प्राथमिकी की जानकारी कथित तौर पर नहीं दी। याचिकाकर्ता का दावा है कि यह मामला पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद दतिया में हुए विरोध प्रदर्शन और चक्काजाम से संबंधित था। 21 मई 1991 को दतिया में झांसी चुंगी, किला चौक सहित कई स्थानों पर प्रदर्शन हुए थे। इसी दौरान करीब 22 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने और उनमें घनश्याम सिंह का नाम शामिल होने का दावा याचिका में किया गया है। गौरतलब है कि दतिया विधानसभा सीट पर जुलाई 2026 में उपचुनाव हुआ था। यह चुनाव कांग्रेस विधायक रहे राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के बाद कराया गया था। कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को मैदान में उतारा था, जबकि भाजपा की ओर से अशुतोष तिवारी प्रत्याशी थे। मतगणना में घनश्याम सिंह ने 6,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की और तीन अगस्त को उन्हें निर्वाचित घोषित किया गया।हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर होने का मतलब यह नहीं है कि घनश्याम सिंह की विधानसभा सदस्यता समाप्त हो गई है। वे फिलहाल दतिया से विधायक हैं। याचिका में लगाए गए आरोपों पर अदालत सुनवाई करेगी और संबंधित दस्तावेजों एवं पक्षों की दलीलों के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय होगी।



अपनी आईडी का सिम किसी और को दिया तो फंस सकते हैं कानून के शिकंजे में

50 लाख तक जुर्माना, 3 साल की जेल का प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने नाम और दस्तावेजों पर जारी मोबाइल सिम किसी दूसरे व्यक्ति को इस्तेमाल करने के लिए देना, बेचना या किराये पर देना अब भारी पड़ सकता है। दूरसंचार विभाग ने नागरिकों को आगाह किया है कि फर्जी पहचान के आधार पर सिम हासिल करने, उसकी खरीद-फरोखत करने या मोबाइल के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ जैसे मामलों में तीन साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। विभाग ने लोगों से अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की नियमित जांच करने की भी अपील की है। दूरसंचार विभाग की हलिया एडवाइज़री में सिम कार्ड के दुरुपयोग को लेकर विशेष सावधानी बरतने को कस गया है। किसी व्यक्ति की पहचान या दस्तावेज का इस्तेमाल उसकी जानकारी के बिना मोबाइल कनेक्शन जारी कराने के लिए किया जाता है तो इसका इस्तेमाल साइबर अपराध, धनी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में हो सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित नंबरों को बंद करने के साथ दोषी एजेंट और अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। सरकार ने चेताया है कि अपने नाम पर जारी सिम को किसी अन्य व्यक्ति को सौंपना गैरिखिम भरा है। यदि उस नंबर का इस्तेमाल साइबर धनी या किसी अन्य अपराध में होता है तो जांच का पता लगा उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जिसके दस्तावेज पर मोबाइल कनेक्शन जारी हुआ है। ऐसे कनेक्शनों को आम तौर पर 'फ्यूल सिम' के रूप में संदर्भित किया जाता है। इसलिए किसी परिचित, रिश्तेदार या अन्य व्यक्ति को अपने नाम का सिम इस्तेमाल करने के लिए देना कानूनी और सुरक्षा संबंधी पेशानी खड़ी कर सकता है। छत्तीसगढ़ में सामने आए एक मामले ने इस खतरे को उजागर किया है। यहां एक एजेंट ने लोगों के दस्तावेजों का कथित तौर पर दुरुपयोग कर उनकी जानकारी के बिना 25 फर्जी सिम कनेक्शन सक्रिय कर दिए। मामला सामने आने के बाद संबंधित नंबरों को बंद किया गया और एजेंट को बैकलिस्ट किया गया।

डिजिटल जाल में फंसता भरोसा

डिजिटल सुविधा ने जिंदगी आसान की है, लेकिन इसी सुविधा ने अपराधियों के हाथ में ऐसा हथियार भी दे दिया है, जिसकी पहुंच हमारे घर, मोबाइल और बैंक खाते तक है। आज ठग को सामने आने की जरूरत नहीं। एक फोन कॉल, एक लिंक, एक फर्जी वेबसाइट या एक झूठा संदेश काफी है। सवाल यह नहीं कि साइबर अपराधी कितने चालाक हैं, सवाल यह है कि हम उनकी चाल समझने के लिए कितने जागरूक हैं।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर लाखों शिकायतों का दर्ज होना खतरे की भयावहता का संकेत है। शिकायतों को सीधे वास्तविक अपराध या प्राथमिकी के आंकड़ों के बराबर नहीं माना जा सकता, लेकिन इनकी संख्या यह बताने के लिए पर्याप्त है कि डिजिटल ठगी अब कोई छोटी-मोटी समस्या नहीं रही। यह आर्थिक नुकसान के साथ लोगों के भरोसे पर भी हमला है।

साइबर ठग तकनीक से पहले इंसान को निशाना बनाते हैं। उन्हें पता है कि डर के समय व्यक्ति सोचता कम है और लालच के समय जांच करना भूल जाता है। कभी बैंक अधिकारी बनकर खाता बंद करने की धमकी, कभी पुलिस अधिकारी बनकर कानूनी कार्रवाई का डर, कभी नौकरी का झांसा और कभी निवेश पर चंद दिनों में कई गुना मुनाफे का सपना—ठगी के तरीके बदलते रहते हैं, लेकिन निशाना एक ही होता है- हमारी जल्दबाजी।

यही वह जगह है जहां नागरिक को सबसे ज्यादा सतर्क होने की जरूरत है। बैंकिंग पिन, पासवर्ड और ओटीपी किसी के साथ साझा करने का सवाल ही नहीं उठना चाहिए। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर एप डाउनलोड करना, स्क्रीन शेयर करना या रिमोट एक्सेस देना खतरे को खुद न्योता देना है। किसी लिंक पर क्लिक करने से पहले यह देखना जरूरी है कि वह वास्तव में किस स्रोत से आया है। निवेश के नाम पर असाधारण मुनाफे का दावा सुनते ही उत्साहित होने के बजाय जांच-पड़ताल शुरू होनी चाहिए। लेकिन जागरूकता का अर्थ केवल ठगी से बचना नहीं है। ठगी हो जाए तो तत्काल कार्रवाई करना भी जागरूकता का हिस्सा है। शर्म, डर या बदनामी के कारण चुप रहना अपराधियों को और मजबूत करता है। वित्तीय साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 पर सूचना देना, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करना और बैंक या भुगतान संस्था को जानकारी देना जरूरी है। लेन-देन की जानकारी, संदेश, मोबाइल नंबर, लिंक और भुगतान संबंधी प्रमाण सुरक्षित रखना भी जांच में मददगार हो सकता है।

सरकार और पुलिस की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। साइबर अपराध की जांच के लिए प्रशिक्षित पुलिस बल, आधुनिक तकनीक और राज्यों के बीच तेज समन्वय जरूरी है। केवल एक आरोपी को पकड़ लेना पर्याप्त नहीं; ठगी में इस्तेमाल खाते, फर्जी वेबसाइट, डेटा उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क और धन के पूरे प्रवाह की जांच जरूरी है। तभी संगठित साइबर गिरोहों पर प्रभावी चोट की जा सकेगी। डिजिटल दुनिया में सुविधा हमारी जरूरत है, लेकिन सावधानी हमारी सुरक्षा। हर फोन सच नहीं, हर लिंक सुरक्षित नहीं और हर चमकता मुनाफा अवसर नहीं। कुछ सेकंड की जल्दबाजी वर्षों की कमाई छीन सकती है। इसलिए क्लिक करने से पहले रुकिए, भुगतान से पहले सोचिए और संदेह होने पर पुष्टि कीजिए। साइबर अपराधियों का सबसे बड़ा हथियार उनकी तकनीक नहीं, हमारी लापरवाही है। इस हथियार को कुंद करने का काम भी हमारे हाथ में ही है।

कड़वे वचन

महावीर ने कहा द्वेष की तरह राग भी आग है । राग और द्वेष क्या है ? इसे यों समझिए कि जब अपना बच्चा रोता है तो दिल में दर्द होता है यह राग है और जब दूसर का बच्चा रोता है तो सिर में दर्द होता है यह द्वेष है । राग और द्वेष दोनों ही संसार के कारण हैं । फर्कइतना है कि द्वेष लोहे की बेड़ी है और राग सोने की । पर है तो दोनों की बेड़ियां, जो बंधन का काम करती हैं ।

आज का राशिफल

पंचांग:-23 सितंबर 2026

दिन बुधवार, माहाभद्र- शुक्ल पक्ष

विक्रम संवत् 2083

ज्योतिषाचार्य विलेन लोकेश व्यास

मेघ

शु.बु.बु.।
रा.मि.।।
रे.मि.।।

खिला मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देखी पार्तवी का पूजन करें

वृष

इ.उ.ए.
ओ.वा.मि.
दु.मि.।

घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहें मन्न की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की शिलास में पाजी पिए

मिथुन

शु.मि.।।
शु.उ.।।
रे.मि.।।

उधार लेने व देने से बचें विचारधियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क

मि.दु.मि.
मि.उ.।।
दु.मि.।

रूका हुआ पुराना काम बन सकता है परियर के किरी सदरश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और मिथि रूपारथ का जाप करें

सिंह

शु.मि.।।
मि.मि.।।
दु.मि.।।

वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या

मि.मि.।।
शु.मि.।।
दु.मि.।।

कारोबारी कार्य में मन लगेशा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसें और नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला

शु.मि.।।
मि.मि.।।
दु.मि.।।

धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र गृह का पूजन करें

वृश्चिक

मि.मि.।।
मि.मि.।।
का.मि.।

मन प्रफुल्लित रहेंगा तेज झड़विंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करें

धनु

मि.मि.।।
मि.मि.।।
का.मि.।

आज मनमार्फिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दें

कुंभ

शु.मि.।।
मि.मि.।।
दु.मि.।।

दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन

मि.दु.मि.
मि.मि.।।
का.मि.।

लोगों के मैसैज पढ़ कर मन प्रसन्न होगे तारीफ होगी लालच में ना फंसें गुरुओं की सेवा करें

विचार प्रवाह

धरती की गर्म हो रही सांस बढ़ते खतरे की घंटी

बढ़ता वैश्विक तापमान वाकई मानव सभ्यता और हमारी धरती के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और दुनिया भर के वैज्ञानिकों की ताजा रिपोर्टों के अनुसार, 2015 से 2025 तक के साल इतिहास के सबसे गर्म 11 साल दर्ज किए गए हैं और पृथ्वी का औसत तापमान लगातार 1.5 डिग्री सेल्सियस की खतरनाक सीमा को पार करने की ओर बढ़ रहा है।ग्लोबल वार्मिंग और मौसम के इस बदलते मिजाज के मुख्य कारण, उनके

प्रभाव की गंभीरता को समझा जा सकता है। आपको बता दें कि धरती के बढ़ते औसत तापमान और उससे पैदा हो रहे जलवायु संकट को अब भविष्य की आशांका मानकर टालने का समय नहीं रहा। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से सामने आ रहे वैज्ञानिक आंकड़े इस बात के स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव हमारी कल्पना से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। ध्रुवीय क्षेत्रों में पिघलती बर्फ, बढ़ता समुद्री जलस्तर, महासागरों का गर्म होना, मौसम की चरम घटनाएं और अल नीनो जैसी समुद्री परिस्थितियों का लगातार शक्तिशाली होना आने वाले वर्षों के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल ही में वैज्ञानिक पत्रिका

साइंटिफिक डेटा में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और नीति-निर्माताओं को गहरे संकट में डाल दिया है। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि हमारी धरती पर मंडराते अस्तित्व के खतरे का एक गंभीर घोषणापत्र है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1979 से अब तक ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से लगभग 12.5 ट्रिलियन टन (11.3 लाख करोड़ मीट्रिक टन) बर्फ पिघल चुकी है। इस पिघली हुई बर्फ की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यदि इसे पूरे अमेरिका महाद्वीप पर फैला दिया जाए, तो वहां 5 फीट गहरी बर्फ की चादर बिछ जाएगी। बर्फ का यह पिघलाव केवल ग्लेशियरों के सिमटने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह करीब 3 क्राड्रिलियन गैलन (11.3 क्राड्रिलियन लीटर) पानी में तब्दील हो चुका है। इसके परिणामस्वरूप 1979 से लेकर अब तक दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर लगभग 3.1 सेंटीमीटर (1 इंच) बढ़ चुका है। सुनने में। इंच का यह आंकड़ा भले ही मामूली लगे, लेकिन जैसा कि नार्थमिब्रिया यूनिवर्सिटी की आइस साइंटिस्ट इस ओतोसाका चेतावनी देती हैं, इसके परिणाम अत्यंत भयानक हैं। समुद्र का जलस्तर हर एक-तिहाई इंच बढ़ने पर दुनिया भर के 20 से 30 लाख लोगों के इलाकों में हर साल कम से कम एक बार विनाशकारी बाढ़ आने का खतरा पैदा हो जाता है। तटीय शहर और द्वीप धीरे-धीरे जलसमाधि की ओर बढ़ रहे हैं। इस संकट का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बर्फ केवल गर्म हवा के कारण नहीं पिघल रही। महासागरों का बढ़ता तापमान ग्लेशियरों को नीचे और किनारों से कमजोर कर रहा है। गर्म समुद्री पानी बर्फ की विशाल परतों को काट रहा है, जिससे ग्लेशियर तेजी से टूटकर समुद्र में पहुंच रहे हैं। कुछ ग्लेशियरों के पीछे हटने की गति इतनी अधिक दर्ज की गई है कि वैज्ञानिक भी इसे गंभीर अस्थिरता के संकेत के रूप में देख रहे हैं। बीते पांच दशकों के आंकड़े एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखते हैं। पिछली सदी के सातवें, आठवें और नौवें दशक तक ध्रुवीय बर्फ की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर थी, लेकिन उसके बाद पिघलाव की रफ्तार तेजी से बढ़ी। विशेष रूप से पिछले डेढ़ दशक में यह परिवर्तन अधिक स्पष्ट दिखाई दिया है। कुछ वर्षों में भारी हिमपात या अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण पिघलने की गति अस्थायी रूप से कम अवश्य हुई, लेकिन इससे दीर्घकालीन खतरा समाप्त नहीं हुआ। वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव था, स्थायी सुधार नहीं। इसी बीच प्रशांत महासागर में अल नीनो की

एशियाई खेल 2026 में एआई गीता और वीर बताएँगे खेल की नई कहानी

खेल के मैदान में खिलाड़ियों का कौशल और स्टूडियो में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का संवाद, भारतीय खेल प्रसारण में तकनीक के नए युग की दस्तक नई दिल्ली। खेल की दुनिया में मुकाबला केवल मैदान पर नहीं होता। समय के साथ खेल को देखने, समझने और दर्शकों तक पहुंचाने का तरीका भी बदलता रहता है। कभी रेडियो की आवाज से खेल का रोमांच घर-घर पहुंचता था। फिर टेलीविजन ने दर्शकों को मैदान के करीब ला दिया। रंगीन प्रसारण, ग्राफिक्स, आँकड़ों और डिजिटल तकनीक ने खेल प्रस्तुति को नया रूप दिया। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई खेल प्रसारण की दुनिया में दस्तक दे चुकी है। एशियाई खेल 2026 इस बदलाव के गवाह बनने जा रहे हैं, जहाँ डीडी स्पोर्ट्स अपने स्टूडियो कार्यक्रमों में एआई आधारित दो स्पोर्ट्स विशेषज्ञों ‘गीता’ और ‘वीर’ को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेगा।

यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ‘गीता’ और ‘वीर’ केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले आभासी चेहरे नहीं होंगे। इन्हें स्टूडियो एंकर के साथ लाइव और वास्तविक समय में संवाद करने के लिए तैयार किया गया है। अर्थात् एआई अब केवल ग्राफिक्स, आँकड़ों या पृष्ठभूमि की तकनीक नहीं रहेगा, बल्कि खेल की बातचीत का हिस्सा बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। भारतीय खेल प्रसारण में यह प्रयोग होने वाले समय की एक ऐसी झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें मानव प्रस्तोता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ही मंच पर संवाद करते दिखाई दे सकते हैं।

प्रसार भारती स्पोर्ट्स ने बाॅश की एआई आधारित सहयोगी तकनीक एवोजो के साथ मिलकर इस पहल को आकार दिया है। एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह से शुरू होकर 4 अक्टूबर 2026 के समापन समारोह तक यह विशेष प्रस्तुति जारी रहेगी। डीडी स्पोर्ट्स के माध्यम से डीडी फ्री डिश पर इसकी पहुँच होगी। साथ ही प्रसार भारती स्पोर्ट्स के यूट्यूब मंच और प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म वेक्स पर भी दर्शक इसे देख सकेंगे। यानी यह प्रयोग पारंपरिक टेलीविजन और नए डिजिटल संसार के बीच एक साथ अपनी जगह बनने जा रहा है।भारत में खेल प्रसारण की परंपरा बहुत पुरानी है। रेडियो के दौर में कमेंटेटर की आवाज ही दर्शकों के लिए मैदान का दृश्य रचती थी। क्रिकेट हो, हॉकी हो या एथलेटिक्स, शब्दों के माध्यम से खेल की पूरी तस्वीर घरों में बनती थी। टेलीविजन आने के बाद दर्शक खिलाड़ी की हर गतिविधि को अपनी आँखों से देखने लगा। इसके बाद तकनीक ने स्लो मोशन, डिजिटल ग्राफिक्स, आँकड़ों और विशेषज्ञ विश्लेषण के माध्यम से खेल को समझने का एक नया संसार बनाया। अब एआई उस यात्रा में एक और अध्याय जोड़ रहा है। ‘गीता’ और ‘वीर’ इसी नए अध्याय के प्रतीक हैं। इन दोनों के नामों में भी भारतीयता की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता भले ही वैश्विक

मजबूत होती स्थिति ने चिंताओं को और बढ़ा दिया है। समुद्र की सतह के साथ-साथ भीतर जमा असामान्य गर्म पानी वैश्विक मौसम तंत्र को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अल नीनो का प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण दुनिया के विभिन्न भागों में में कहीं सूखा, कहीं अत्यधिक वर्षा, कहीं भीषण गर्मी और कहीं जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं। भारत के संदर्भ में भी यह विशेष चिंता का विषय है। भारतीय मानसून का संबंध केवल एक समुद्री परिस्थिति से नहीं है, फिर भी प्रशांत महासागर में होने वाले बड़े बदलाव मानसूनी हवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए अल नीनो को लेकर किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा, लेकिन इसके जोखिम को नजरअंदाज करना भी गंभीर भूल होगी। भारत पहले ही अत्यधिक गर्म दिनों, अचानक होने वाली भारी बारिश, बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी महसूस कर रहा है। हिमालयी क्षेत्र के लिए यह खतरा और भी गंभीर है। बढ़ते तापमान के कारण हिमनदों और ऊँचाई वाले क्षेत्रों की बर्फ के व्यवहार में बदलाव आ रहा है। बर्फ, चट्टानों और हिमनद झीलों से जुड़ी अचानक घटनाएं नीचे बसे इलाकों के लिए विनाशकारी बन सकती हैं। इसलिए अब मौसम संबंधी चेतावनी प्रणाली को केवल वर्षा और तूफान तक सीमित रखने से काम नहीं चलेगा। हिमनदों, पर्वतीय झीलों, बर्फ के खिसकने और चट्टानों की अस्थिरता पर भी लगातार निगरानी आवश्यक है। वैज्ञानिक लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि कुछ मिनट पहले मिलने वाली विश्वसनीय चेतावनी भी हजारों लोगों के जीवन और संपत्ति को बचा सकती है। भारत जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध देश के लिए आधुनिक उपग्रहों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मौसम पूर्वानुमान और स्थानीय स्तर की चेतावनी व्यवस्था का विस्तार बेहद जरूरी हो गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विश्वविद्यालयों तथा वैज्ञानिक संस्थानों को इस दिशा में मिलकर काम करना होगा। यह भी समझाना होगा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तत्काल समाप्त होने वाला नहीं है। यदि दुनिया आज से ही तापमान बढ़ाने वाली गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी कर दे, तब भी महासागरों और हिमनदों में जमा पिछले दशकों की गर्मी का असर लंबे समय तक दिखाई देता रहेगा। यही कारण है कि जलवायु संकट से निपटने की रणनीति दो स्तरों पर होनी चाहिए। पहला, कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण को तेजी से कम करना और दूसरा, उन परिवर्तनों के लिए समाज और बुनियादी ढांचे को तैयार करना जिन्हें अब पूरी तरह

तकनीकी विकास का परिणाम हो, लेकिन उसके माध्यम से दर्शकों से संवाद करने वाले आभासी व्यक्तित्वों को भारतीय नाम देना इस प्रयोग को देश की सामाजिक और सांस्कृतिक संवेदना से जोड़ता है। तकनीक आधुनिक है,लेकिन चेहरा और पहचान भारतीय है। यही संयोजन आने वाले समय में एआई आधारित प्रसारण की स्वीकार्यता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।एशियाई खेलों जैसे विशाल आयोजन में सूचनाओं और आँकड़ों की काँड़ कमी नहीं होती। अलग-अलग देशों के खिलाड़ी, अनेक खेल, हजारों मुकाबले, रिकॉर्ड, व्यक्तिगत उपलब्धियाँ, टीमों का इतिहास और लगातार बदलते आँकड़े दर्शकों के सामने आते हैं। सामान्य दर्शक के लिए हर आँकड़े को याद रखना संभव नहीं है। यहीं एआई आधारित प्रस्तुति उपयोगी साबित हो सकती है। यदि किसी खिलाड़ी के पिछले प्रदर्शन, रिकॉर्ड या किसी मुकाबले की पृष्ठभूमि को सही समय पर सहज भाषा में प्रस्तुत किया जाए तो खेल केवल देखने का नहीं, समझने का अनुभव भी बन सकता है।आज के बदलते दौर व नई तकनीकी युग में एआई की वास्तविक परीक्षा यहीं से शुरू होती है। तकनीक का आकर्षण अपने आप में पर्याप्त नहीं है। खेल प्रसारण में विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण है। आँकड़े सही होने चाहिए, सूचनाएँ प्रमाणित होनी चाहिए और एआई द्वारा प्रस्तुत सामग्री दर्शकों को प्रमित करने के बजाय उनकी समझ को बेहतर बनाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जितनी तेजी से सूचना प्रस्तुत कर सकती है, उतनी ही सावधानी से उसके उपयोग की आवश्यकता भी होगी।इसलिए एआई को मानवीय विशेषज्ञता का विकल्प मानना उचित नहीं होगा। खेल के मैदान का अनुभव, खिलाड़ी की मन:स्थिति, मुकाबले का दबाव, हार की पीड़ा और जीत की भावनात्मक अनुभूति जैसी चीजें केवल आँकड़ों से नहीं समझी जा सकती। किसी महान खिलाड़ी की उपलब्धि के पीछे वर्षों का संघर्ष होता है। किसी रिकॉर्ड के पीछे एक पूरी कहानी होती है। मानवीय विशेषज्ञ उस कहानी को जिस संवेदनशीलता से सामने रख सकता है, एआई अभी उसका सख्योगी ही हो सकता है। संभवतः भविष्य का सबसे प्रभावी

रोका नहीं जा सकता। शहरों में हरित क्षेत्रों का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों का इस्तेमाल, जंगलों की सुरक्षा, जल स्रोतों का संरक्षण और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण अब केवल पर्यावरण से जुड़े विषय नहीं हैं। ये आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के सवाल बन चुके हैं। इसी प्रकार समुद्री तटों, हिमालयी राज्यों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विकास योजनाओं को जलवायु जोखिमों को ध्यान में रखकर तैयार करना होगा। सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिकों की चिंता मानना बंद किया जाए। आज लिए गए फैसलों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। धरती का बढ़ता तापमान हमें लगातार चेतावनी दे रहा है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किए बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है। सवाल अब यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन होगा या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके नुकसान को कितना सीमित कर पाते हैं और आने वाले संकट के लिए कितनी जल्दी स्वयं को तैयार कर पाते हैं। यही आने वाले समय की सबसे बड़ी पर्यावरणीय और मानवीय चुनौती है। दुनिया भर में भयानक हीटवेव , बेमौसम भारी बारिश, जंगलों की आग और भयंकर सूखे की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। उदाहरण के लिए, यूरोप इस समय सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन चुका है। प्रशांत महासागर में उठने वाले एल नीनो के कारण वैश्विक मौसमी सिस्टम बिगड़ रहा है, जिससे कई देशों में सूखा और कहीं बाढ़ आ रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और वैज्ञानिकों के अनुसार, तापमान बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। यदि यही स्थिति रही, तो समुद्र का जलस्तर बढ़ने से दुनिया के कई प्रमुख तटीय शहर समुद्र में समा सकते हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण फसलों की बर्बादी, जल संकट जैसे जलाशयों के जलस्तर में ऐतिहासिक गिरावट और हीट स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां बढ़ रही हैं।धरती के गर्म होने के पीछे इंसानी गतिविधियां और जीवाश्म ईंधन जैसे - कोयला, तेल और गैस का अंधाधुंध इस्तेमाल है। इनसे निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड सूर्य की गर्मी को अंतरिक्ष में वापस जाने से रोकती हैं, जिससे पृथ्वी का ऊष्मा असंतुलन पिछले दो दशकों में दोगुना हो चुका है।समय पर नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी। (लेखक - ललित गर्ग)



बच्चों को नाखून चबाने की आदत से बचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चों को कई बार नाखून चबाने की आदत पड़ जाती है जो उनके स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह होती है। बचपन में इसपर अभिभावक ध्यान नहीं देते पर ये स्वास्थ्य अलावा कई प्रकार के नुकसान का कारण बन सकती है। बच्चों के लिए यह आदत न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी हानिकारक हो सकती है। इससे होने वाले नुकसान इस प्रकार हैं ।

दांतों और मसूड़े होते हैं खराब

नाखून चबाने से बच्चों के दांतों और मसूड़ों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस आदत से दांतों की संरचना बिगड़ सकती है, जिससे दांतों में असंतुलन, दांतों का टेढ़ा होना या मसूड़ों में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे बच्चों को दांतों की समस्याएँ बढ़ सकती हैं।

संक्रमण का खतरा

नाखून चबाने से बच्चों के हाथों से बैक्टीरिया मुंह में जा सकते हैं। यदि बच्चे अपनी उंगलियों को मुंह में डालते हैं और नाखून चबाते हैं, तो यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार के संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इससे गले में इंफेक्शन, मौखिक रोग, या पेट में समस्याएँ हो सकती हैं। खासकर अगर बच्चा गंदे हाथों से नाखून चबाता है तो यह और भी खतरनाक हो सकता है।

पाचन तंत्र पर प्रभाव

नाखून चबाने से कुछ बच्चे नाखूनों को निगलने की भी आदत डाल सकते हैं। यदि यह नाखून अंदर पेट में चले जाते हैं, तो यह पाचन तंत्र में अड़चन पैदा कर सकते हैं। इससे पेट की समस्याएँ, जैसे गैस, कब्ज, या आंतों की समस्याएँ हो सकती हैं।

मानसिक तनाव और चिंता

नाखून चबाना कभी-कभी मानसिक तनाव या चिंता का संकेत भी हो सकता है। कई बार बच्चे तब नाखून चबाते हैं जब वे किसी समस्या या चिंता से जूझ रहे होते हैं। यदि यह आदत लगातार बनी रहती है, तो यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में बच्चे को मानसिक शांति और समर्थन की आवश्यकता होती है, ताकि वह इस आदत से छुटकारा पा सके।

कैसे छुड़ाएं आदत

1 बच्चों को नाखून चबाने से रोकने के लिए सबसे पहले माता-पिता को सकारात्मक वातावरण और ध्यान देना चाहिए। बच्चों को समझाना और शांतिपूर्वक बताना कि यह आदत कितनी हानिकारक हो सकती है, उनके लिए सहायक हो सकता है।

खेल से होता है बच्चों का संपूर्ण विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। पढ़ाई के साथ ही खेल भी जीवन के लिए जरूरी है। इसके बिना बच्चे का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरूरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नहीं होगा न ही वह सक्रिय रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं। आजकल बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नहीं होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजो। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

खेलों के जरिये सीखते हैं सामाजिकता

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके सामाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

मिल जुलकर काम करना

टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है।



होता है मानसिक विकास

जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है। साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है। उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है।

खेलों से शारीरिक विकास

खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खलने के लिए उत्साहित करना चाहिए। जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसके

अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहौल का भी पता लगेगा। बच्चों को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है। खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आखिरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गमी में कैसे रहा जाता है। खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है।अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर रहें सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल स्कूल में भी बच्चों के साथ होने वाले हादसे और घटनाएं मन में कई सवाल पैदा करती हैं। इससे स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल उठते हैं। इन घटनाओं को देखकर अभिभावकों और बच्चों के मन में डर पैदा होने लगा है। बच्चे अब स्कूलों में भी सुरक्षित नहीं हैं। स्कूल में बच्चों की सुरक्षा को जिम्मेदारी जितनी स्कूल पर है, उतनी ही माता-पिता पर भी है। सुरक्षा के लिए जरूरी है कि स्कूल बस में बैठने से लेकर स्कूल पहुंचने तक और फिर स्कूल के दौरान भी बच्चों को ट्रैक करना ना छोड़ें।

स्कूल बस के ड्राइवर और कंडक्टर का नंबर रखें। स्कूल पहुंचने से पहले तक ड्राइवर और कंडक्टर से बात करते रहें। आजकल वीडियो कॉल फ्री ऑफ

कॉस्ट होता है, अगर कंडक्टर या ड्राइवर के पास स्मार्टफोन है तो उससे वीडियो कॉल में बच्चे से बात कराने को कहें। स्कूल पहुंचते ही बच्चे की अटेंडेंट या क्लास टीचर से तय करें कि बच्चा स्कूल में सुरक्षित पहुंच गया है। आजकल कई तरह के एप्लीकेशन आ गए हैं, जिससे आप अपने बच्चों को ट्रैक कर सकते हैं। बच्चों को डर कर नहीं जीना चाहिए, लेकिन उन्हें ये जरूर समझाएं कि स्कूल में कहीं भी अकेले ना जाए। हमेशा किसी के साथ रहें और जहां कहीं भी जाए अपने दोस्तों और क्लास टीचर को जरूर बताएं। माता-पिता ऐसे स्कूल में ही एडमिशन कराएं, जिसकी घर से दूरी 20 से 25 मिनट की हो। एडमिशन के समय ही यह भी तय कर लें कि स्कूल के सभी क्लास, हॉल, लॉबी, यहां तक कि गार्डन एरिया में भी कैमरे लगे हों और सभी कैमरे काम करते हों और आप उससे कनेक्टेड हों।



स्कूल का बाथरूम ट्वायलेट कितना सुरक्षित है इस पर नजर रखें, वहां कोई अटेंडेंट बैठती है या नहीं यह भी ध्यान दें और अपने बच्चे से भी बराबर पूछते रहे। बच्चों का ट्वायलेट कहीं बड़े तो इस्तेमाल नहीं करते, इस बारे में भी पता करें। स्कूल में कितने गार्ड हैं और उन सभी का पुलिस वरिफिकेशन हुआ है या नहीं यह

भी पता करें। स्कूल में मौजूद सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ का भी पुलिस वरिफिकेशन हो और स्टाफ की मानसिक हालत की भी जांच हो। बच्चा अगर स्कूल के बारे में कुछ कह रहा है तो उसे नजरअंदाज ना करें। बात छोटी हो या बड़ी, तसल्ली के लिए संबंधित व्यक्ति से जरूर बात करें।

त्योहारों में 2.5 लाख नौकरियां पैदा होने की संभावना नियुक्तियों में 20% तक की वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में जुलाई से दिसंबर 2026 के दौरान 2 से 2.5 लाख मौसमी और गिग नौकरियां पैदा होने की संभावना है। त्योहारी सीजन के दौरान नियुक्तियों में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि का अनुमान है। ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड डिजिटल टैलेंट सॉल्यूशंस प्रदाता एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ने के साथ अस्थायी और अल्पकालिक कर्मचारियों की जरूरत भी बढ़ रही है। त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ई-कॉमर्स, फ़िक्क कॉमर्स, खुदरा, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, यात्रा और उपभोक्ता सेवाओं से जुड़े कारोबार साल की सबसे अधिक मांग वाली अवांध के लिए तैयारी कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में ऑर्डर और ग्राहकों की संख्या बढ़ने के साथ कंपनियां अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती पर जोर दे रही हैं। एनएलबी सर्विसेज के चरिष्ठ उपाध्यक्ष और एपीएसी प्रमुख वरुण सचदेवा के अनुसार त्योहारी सीजन देश के कार्यबल के लिए महत्वपूर्ण अवधि बनता जा रहा है। नियोक्ता अब भर्ती प्रक्रिया पहले शुरू कर रहे हैं और पारंपरिक रोजगार केंद्रों से आगे बढ़कर तकनीक आधारित, मजबूत तथा तुरंत



काम पर लगाए जा सकने वाले कर्मचारियों पर अधिक निर्भर हो रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए होने वाली भर्तियां अब केवल अल्पकालिक जरूरत तक सीमित नहीं रह गई हैं। कंपनियां इन भर्तियों के माध्यम से नए प्रतिभा समूहों तक पहुंच बना रही हैं और बड़े स्तर पर उनकी

कार्यक्षमता को परख रही हैं। इससे कुछ कर्मचारियों के लिए आगे चलकर दीर्घकालिक रोजगार के अवसर भी तैयार हो सकते हैं। कंपनियां त्योहारी सीजन में बढ़ने वाली मांग से करीब 12 से 14 सप्ताह पहले ही कर्मचारियों की जरूरत का आकलन और योजना बनाना शुरू कर देती हैं। इससे उन्हें संभावित

कर्मचारियों का समूह पहले से तैयार करने में मदद मिलती है। साथ ही कम समय में बड़ी संख्या में नियुक्तियां करने के दबाव को भी कम किया जा सकता है। त्योहारी भर्ती का दायरा अब बड़े महानगरों के साथ दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों तक भी तेजी से फैल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कुल त्योहारी भर्ती मांग में इन शहरों की हिस्सेदारी करीब 45 प्रतिशत रहने को उम्मीद है। इन बाजारों में भर्ती में 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। ई-कॉमर्स, फ़िक्क कॉमर्स, संगठित खुदरा और क्षेत्रीय ऑर्डर पूर्ति नेटवर्क के विस्तार से जयपुर, लखनऊ, इंदौर, सूरत, नागपुर, भुवनेश्वर, कोयंबटूर, चंडीगढ़ और कोच्चि जैसे शहरों में रोजगार की मांग बढ़ रही है। इन शहरों में स्थानीय स्तर पर बढ़ते कारोबार और आपूर्ति नेटवर्क के कारण अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत सामने आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार त्योहारी सीजन में पहली बार रोजगार पाने वाले युवा और महिलाएं भी महत्वपूर्ण प्रतिभा समूह के रूप में उभर रहे हैं। कंपनियां मांग के अनुसार अस्थायी और गिग कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर कारोबार को संभालने की तैयारी कर रही हैं।

लखनऊ से विमान सेवाएं घटने से दीपावली पर हवाई किराया बढ़ने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली के दौरान हवाई यात्रा करने वालों की जेब पर इस बार अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से विमानों की संख्या में कमी आने के कारण प्रमुख घरेलू मार्गों पर टिकटों के दाम बढ़ने लगे हैं। दिल्ली की एक निजी कंसल्टेंट एजेंसी के सलाहकार रोहित तिवारी ने पिछले वर्ष दीपावली पर लखनऊ से वापसी के लिए करीब दो माह पहले 5,500 रुपये में विमान का टिकट बुक कराया था। इस बार इसी अवधि में टिकट की कीमत बढ़कर करीब 7,200 रुपये हो गई है। विमानन क्षेत्र से जुड़े लोगों के अनुसार दीपावली नजदीक आने के साथ फ़िराये में करीब 30 प्रतिशत तक और बढ़ोतरी हो सकती है। त्योहार के दौरान घर



जाने और वापस लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने से हवाई टिकटों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में उड़ानों की कम संख्या के कारण उपलब्ध सीटों पर दबाव बढ़ने की संभावना है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से इस समय पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 प्रतिशत कम विमानों का संचालन हो रहा है। विमानन क्षेत्र के अनुसार ईपान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष का असर विमानन ईंधन की कीमतों पर पड़ू है। एविएशन

टरबाइन ईंधन महंगा होने के कारण विमानन कंपनियों ने लागत कम करने के लिए कई व्यस्त मार्गों पर अपनी सेवाओं में कटौती की है। इसका असर घरेलू विमान सेवाओं पर भी दिखाई दे रहा है। नवंबर 2025 में लखनऊ एयरपोर्ट से प्रतिदिन करीब 140 विमानों का आवागमन होता था। इनमें 16 से 18 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ने वाली उड़ानें भी शामिल थीं। इस वर्ष फरवरी से विमानों की संख्या घटकर करीब 100 प्रतिदिन रह गई थी। कुछ नई सेवाएं शुरू होने के बाद अब प्रतिदिन करीब 110 विमानों का संचालन हो रहा है। लखनऊ से मुंबई और नवी मुंबई के लिए प्रतिदिन करीब आठ उड़ानें संचालित हो रही हैं। दिल्ली के लिए 13 और नोएडा के लिए एक विमान सेवा उपलब्ध है।

गोबरधन योजना के तहत सीबीजी की सुनिश्चित खरीद और मूल्य तय

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना को लागू कर दिया है। इसके तहत कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादकों को उनकी बिक्री योग्य गैस की 100 प्रतिशत तक सुनिश्चित खरीद, कम से कम 10 वर्ष के लिए प्रशासित मूल्य और पूंजीगत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी दिशानिर्देशों के अनुसार योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी। गोबरधन योजना का उद्देश्य देश में कंप्रेस्ड बायोगैस के उत्पादन को बढ़ावा देना, सीबीजी परिवोजनाओं के लिए अनुकूल बाजार तैयार करना और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है। गोबरधन का अर्थ 'गैल्वानाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन' है। इस कार्यक्रम के तहत पशुओं के गोबर, कृषि अवशेष, खाद्य अपशिष्ट और अन्य जैविक कचरे से बायोगैस, कंप्रेस्ड बायोगैस और जैविक खाद तैयार की जाती है। योजना के तहत तैयार कंप्रेस्ड बायोगैस को प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। मंत्रालय के दिशानिर्देशों में सीबीजी क्षेत्र के लिए छह प्रमुख व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। इनमें सीबीजी की सुनिश्चित खरीद, मूल्य निर्धारण व्यवस्था, पूंजीगत सहायता, पापुलेशन ढांचा, ऋण गारंटी सहायता और सीबीजी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चुनौती कोष शामिल हैं। नई



व्यवस्था के तहत पात्र सीबीजी उत्पादक बिक्री के लिए उपलब्ध अपनी गैस की 100 प्रतिशत तक सुनिश्चित खरीद का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, यह सुविधा तकनीकी और परिचालन व्यवहार्यता पर निर्भर करेगी। गैस की आपूर्ति को शहर गैस वितरण कंपनियों और संबंधित भौगोलिक क्षेत्रों से जोड़ा जाएगा। इसके

पैकड खाद्य पदार्थों पर वास्तविक निर्माण तिथि लिखना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अब पैक किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के पैकेट पर उनकी वास्तविक निर्माण या प्रसंस्करण तिथि लिखना अनिवार्य होगा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने खाद्य कारोबारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को उत्पाद के वास्तव में तैयार होने की तारीख की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना है। विभाग के निर्देश के अनुसार जिस दिन किसी खाद्य पदार्थ को केवल पैकेट में भरा या दोबारा पैक किया गया है, उस तारीख को निर्माण तिथि के रूप में दर्ज नहीं किया जा सकेगा। पैकेट पर वही तारीख लिखनी होगी, जिस दिन खाद्य पदार्थ वास्तव में तैयार या उसका प्रसंस्करण किया गया था। खाद्य सुरक्षा विभाग के निरीक्षण में सामने आया कि कुछ कारोबारी खाद्य पदार्थ तैयार करने के बाद उन्हें लंबे समय तक गोदामों में रखते थे। इसके बाद पुराने खाद्य पदार्थों को छोटे पैकेटों में भरकर उसी दिन की तारीख को निर्माण तिथि के रूप में दर्ज कर दिया जाता था। कुछ रीलेबलर और दोबारा पैक करने वाले कारोबारी भी इस तरह की प्रक्रिया अपना रहे थे।



थे। ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थ के वास्तविक पुराने होने की जानकारी नहीं मिल पाती थी। पैकेट पर बाद की तारीख देखकर उपभोक्ता उसे नया उत्पाद समझ सकता था। विभाग के अनुसार प्रत्येक खाद्य पदार्थ की एक निर्धारित उपयोग अवधि होती है, जिसे सामान्य तौर पर उसकी शेल्फ लाइफ कहा जाता है। खाद्य पदार्थ की उपयोग अवधि उसके वास्तविक निर्माण या प्रसंस्करण की तारीख से जुड़ी होती है। लंबे समय तक भंडारण में रखे जाने से खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में कई महाने पुराने उत्पाद को नए पैकेट में भरकर उस दिन की तारीख को निर्माण तिथि के रूप में दर्ज करना उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकता है।

अलावा सीबीजी समूहों के माध्यम से गैस को एकत्र कर मुख्य पाइपलाइन तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की जाएगी। सीबीजी कंपनियों को अपने सीएनजी परिवहन और घरेलू पीएनजी की कुल गैस आपूर्ति में निर्धारित अनुपात में सीबीजी की खरीद और बिक्री करनी होगी। यह दायित्व वित्त वर्ष 2026-27 में तीन प्रतिशत, 2027-28 में चार प्रतिशत और 2028-29 से पांच प्रतिशत निर्धारित किया गया है। इससे गैस वितरण व्यवस्था में सीबीजी की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने सीबीजी के लिए 2,110 रुपये प्रति इकाई यानी एमएमबीटीयू का प्रशासित मूल्य तय किया है। 95 प्रतिशत मोथेन सामग्री के आधार पर यह करीब 98 रुपये प्रति किलोग्राम के बराबर है। इसमें कर और संपीड़न शुल्क शामिल नहीं होंगे। यह मूल्य कम से कम 31 मार्च 2036 तक लागू रहेगा। हालांकि, सीबीजी उत्पादन की लागत, मुद्रास्फीति और अन्य संबंधित कारकों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में इस मूल्य में बदलाव किया जा सकता है।





एशियन गेम्स 2026 3 ऑल-आउट और 63 अंक रेडर्स और डिफेंडर्स ने कर दी पॉइंट्स की बौछार

आइची-नागोया:

एशियन गेम्स 2026 में अपने गोल्ड मेडल की रक्षा करने उतरी भारतीय मेंस कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार सुबह तोकई सिटीजन्स जिम्मेजियम में खेले गए र्ग-ए के अपने दूसरे मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने साउथ कोरिया को 63-31 के बड़े अंतर से हरा दिया। अपने पहले मैच में मेजबान जापान को मात देने के बाद, भारत की यह प्रतियोगिता में लगातार दूसरी धमाकेदार जीत है।

कप्तान सुनील कुमार की अगुवाई में उतरी भारतीय टीम ने मैच के पहले मिनट से ही कोरिया पर शिकंजा कस लिया था। भारतीय रेडर्स ने कुल 38 टच/आउट पॉइंट हासिल किए, जबकि डिफेंस ने कोरियाई अटैक को अपने कोर्ट में पकड़ते हुए टैकल पॉइंट्स की बौछार कर दी।

हाफ-टाइम तक ही पक्की हो गई थी जीत-मैच की शुरुआत से ही भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स ने

तालमेल का बेहतरीन नजारा पेश किया। पहले हाफ में भारत ने दो बार कोरियाई टीम को ऑल-आउट किया। ब्रेक के समय तक भारत ने 34-14 की विशाल 20-पॉइंट्स की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में भी कहानी नहीं बदली। हालांकि कोरियाई रेडर्स ने वापसी की कुछ कोशिशें कीं, लेकिन भारतीय डिफेंस के आगे उनकी एक न चली। भारत ने दूसरे हाफ में एक और ऑल-आउट (मैच में कुल 3 ऑल-आउट) थोपते हुए स्कोरबोर्ड पर 63 अंक टांग दिए। मैच के अंत में भारत का बोनस पॉइंट्स का अंकड़ा 17 तक पहुंच गया था।

अगला मुकाबला बांग्लादेश से- इस जीत के साथ ही भारतीय टीम र्ग-ए की पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर चुकी है। पिछले 10 में से 8 एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीत चुकी भारतीय टीम का अगला मुकाबला बुधवार, 23 सितंबर को र्ग-ए में बांग्लादेश से होगा।

मंधाना ने सबको पीछे छोड़ दिया, इंटरनेशनल क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं, जापान में रचा इतिहास

निशिन (जापान)

टीम इंडिया की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली बल्लेबाज बनीं हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स मुकाबले में अर्धशतकीय पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसी महीने की शुरुआत में वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं थी। वहीं, पिछले मैच में वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला क्रिकेटर बनीं थीं। अब उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इसके साथ ही वह अपने करियर के उस दौर में पहुंच चुकी हैं, जहां हर मैच में वह कोई न कोई रिकॉर्ड बना रही हैं। भारत के लिए सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली भी ऐसे स्वर्णिम दौर से गुजर चुके हैं।

टी20 में 37 अर्धशतक-स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में अपने टी20 करियर का 37वां अर्धशतक भी पूरा किया। वह महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाली बल्लेबाज भी



हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की पूर्व कप्तान सूजी बेट्स को पीछे छोड़ा था। मंधाना टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रन पूरे करने के बेहद करीब हैं। ऐसा करने पर वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाली पहली महिला क्रिकेटर होंगी।

79 के स्कोर पर आउट हुईं मंधाना

स्मृति मंधाना इस मैच में 79 रन के स्कोर पर आउट हुईं। इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 7 छक्के लगाए। उनकी दमदार बल्लेबाजी के चलते भारतीय टीम बड़े स्कोर तक पहुंच सकी। वह भारत के लिए एक टी20 मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली बल्लेबाजी की लिस्ट में भी शामिल हो गई हैं। इस लिस्ट में शेफाली वर्मा टॉप पर हैं, जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में 9 छक्के लगाए थे। 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 छक्के लगाने वाली हरमनप्रीत कौर दूसरे स्थान पर हैं। इस मैच में 7 छक्के लगाकर मंधाना तीसरे नंबर पर आ गई हैं। वह हांगकांग के खिलाफ मैच में भी 7 छक्के लगा चुकी हैं।

कामिल पूरन और निकोलस पूरन के रिश्ते की अटकलें गलत निकलीं

जमैका (ईएनएस)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए अपनी जो टीम घोषित की है। उसमें पहली बार कामिल पूरन नाम के खिलाड़ी को शामिल किया गया है। इससे प्रशंसकों के दिमाग में सवाल उठ रहे हैं कि कामिल क्या क्या निकोलस पूरन के भाई है ? गौरतलब है कि पूरन वेस्टइंडीज टीम के एक प्रमुख खिलाड़ी होने के साथ ही संन्यास के बाद दुनियाभर की फ्रेंचाइजी लीग में भी खेलते हुए अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर रहे हैं। वह वेस्टइंडीज टीम के कप्तान भी रहे हैं। ऐसे में एक ही उपनाम के साथ एक और पूरन का टीम में आना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा पैदा करता है। वहीं अब ये तथ्य सामने आया है कि निकोलस पूरन और कामिल पूरन भाई के बीच कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। दोनों आपस में भाई नहीं



हैं। दोनों के बीच एकमात्र समानता उनका आखिरी नाम पूरन होना है। यह केवल एक संयोग है कि दो अलग-अलग क्रिकेटर एक ही उपनाम साझा करते हैं।

हालांकि, उपनाम के अलावा कुछ और दिलचस्प बातें हैं जो दोनों में समान हैं। निकोलस पूरन और कामिल पूरन दोनों ही कैरेबियन द्वीप समूह के त्रिनिदाद और टोबैगो क्षेत्र से आते हैं। इसके अलावा, उनकी उम्र भी लगभग एक जैसी ही है,

रोहित जब तक रन बना रहे हैं उन्हें खेलते रहने दें : चेतन शर्मा

मुंबई (ईएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम की चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा का कहना है कि कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को अभी संन्यास के लिए मजबूर न करते हुए तब तक खेलते रहने देना चाहिये जब तक कि वह रन बना रहे हैं। पिछले करीब एक साल से रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर उन्हें टीम में बनाये रहने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे समय में चेतन ने रोहित का बचाव करते हुए कहा है कि जब तक वह फिट हैं और रन बना रहे हैं, उन्हें एकदिवसीय क्रिकेट

खेलना रहने देना चाहिए। चेतन शर्मा के अनुसार उम्र केवल एक नंबर है और उसे चयन का पैमाना नहीं बनाया जा सकता।

साथ ही कहा , अगर रोहित शर्मा 2027 विश्व कप खेल सकते हैं, तो इसमें क्या खराबी है? यह बयान रोहित के अगले विश्व कप तक खेलने की संभावनाओं को बल देता है, बशर्ते उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार रहे। शर्मा ने अपनी इस राय को सिर्फ रोहित तक सीमित नहीं रखा, बल्कि विराट कोहली का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, अगर विराट कोहली अभी भी फिट हैं और रन बना रहे हैं, तो उन्हें



भी खेलते रहना चाहिए। विराट हमेशा से भारतीय क्रिकेट की अमूल्य संपत्ति रहे हैं। शर्मा का मानना है कि ऐसे दिग्गजों को, जो फिट रहते हुए देश के लिए लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, टीम में बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, अगर वे फिट हैं और भारत के लिए रन बना रहे हैं, तो हमें खुश होना चाहिए।अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए, चेतन शर्मा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उस फैसले पर खुशी जतायी जिसमें बोर्ड ने सभी खिलाड़ियों के लिए फिट और उपलब्ध होने पर घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य बनाया है।शर्मा ने याद किया कि जब वह भारत के मुख्य

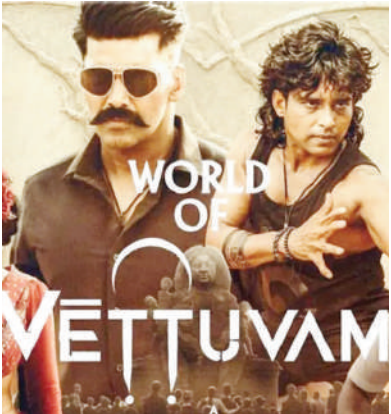
चयनकर्ता थे, तब उनकी सोच यही थी कि यदि कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो उसे राष्ट्रीय टीम में मौका मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट आयोजित करने के लिए बहुत पैसा और प्रयास खर्च करता है, और इसलिए हमें घरेलू क्रिकेट का सम्मान करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि बीसीसीआई के इस निर्देश को देखकर उनका सपना सच हो गया है, और इसके लिए वह बोर्ड के वाकई आभारी हैं। उन्होंने सभी फिट खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी या अन्य प्रथम श्रेणी क्रिकेट में भाग लेने का आग्रह किया।

रंग संसार

दिसंबर 2026 में होगी फिल्म वेट्टुवम रिलीज

मुंबई, यशभारत।

हाल ही में बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म वेट्टुवम की दुनिया का अनावरण किया गया है। फिल्म निर्देशक पा. रंजीत की इस फिल्म को दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह जगा दिया है। यह फिल्म दिसंबर 2026 में रिलीज होने वाली है। इन लड़ाइयों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है, जिसके लिए पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल आर्ट्स में महारत हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है। पा. रंजीत अपनी फिल्म वेट्टुवम के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने मिल रहा था। मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है। यह कुछ ऐसा है जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साफ हो गई है कि निर्देशक हर बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं। मेकर्स ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें वेट्टुवम की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषाओं में साझा किए गए इस वीडियो में जहां



हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज़ है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किच्चा सुदीप और मलयालम में सौबिन शाहिर की आवाज सुनाई दे रही है। वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बात करते हुए उन पर रोशनी डाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजों पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीजें आश्चर्यकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं, जो इंसान के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं। मेकर्स द्वारा साझा किए गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच

वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में वेट्टुवम का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए मल्लुखंब को एक अलग नजरिए से दिखाया गया है, यह एक पारंपरिक खेल है जिसे पहली बार इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीन पर पेश किया गया है। फर्स्ट लुक में एक्टर्स की भी दमदार झलक देखने मिल रही है, जिससे दर्शकों के बीच फिल्म और उसकी कहानी को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है। फिल्म में आर्या, वी. आर. दिनेश, शोभिता धूलिपाला, कलैयारासन, माइम गोपी, गुरु सोमासुंदरम, शबीर कव्वाराक्कल, जॉन विजय, साई धीना, आनंद सामी, हरीश उथमन, लिंजी, लिंगेश प्रेम कुमार, कविता भारती, अर्जुन, संथा कुमार, मेलेोडी, मनीषा, निम्मी, राफेल, विक्रम, नवीन, और प्रकाश जैसे बेहद टैलेंटेड कलाकार शामिल हैं। फिल्म के संगीत को उसकी कहानी के हिसाब से जी. वी. प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साजुशि की एक और परत जोड़ता है। म्यूजिक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनोखी आभा बनाता है। पा. रंजीत को सुपरहिट फिल्म्स जैसे कबाली, काला, सरपट्टा परमबराई, और थंगलान को डायरेक्ट करने के लिए जाना जाता है। पा. रंजीत अपनी फिल्म वेट्टुवम के साथ वापसी कर रहे हैं, ऐसे में इसे बड़े पैमाने पर बनाए जाने की उम्मीद है। इस फिल्म को पा. रंजीत न सिर्फ डायरेक्ट कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है।

बिना प्रार्थना किए कुछ मिलना नामुमकिन!: अमिताभ बच्चन

मुंबई, यशभारत।

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग के जरिए जिंदगी में कभी हार न मानने और छोटे प्रयासों के महत्व को लेकर एक खास संदेश दिया है। अभिनेता ने अपने इस प्रेरक संदेश में लिफ्ट के ऑटोमैटिक दरवाजे से जिंदगी की मुश्किलों की तुलना की, जो उनके गहरे चिंतन को दर्शाता है। बिग बी ने अपने ब्लॉग में लिखा, कुछ बिना बोले होता है, कुछ बोलके होता है और कुछ ठोक-ठक के होता है, लेकिन होता जरूर है। उन्होंने ऑटोमैटिक दरवाजे का उदाहरण देते हुए समझाया कि लिफ्ट का ऑटोमैटिक दरवाजा थोड़ी देर बाद अपने आप बंद होने लगता है। अगर चढ़ने में देर हो जाए तो वो बंद होने लगता है। उस वक्त अगर एक छोटी सी उंगली भी उसके रास्ते में आ जाए, तो वो खुल जाता है और वापस अपनी जगह पर चला जाता है। ठीक इसी तरह, अमिताभ बच्चन ने कहा कि जिंदगी में भी एक छोटी सी कोशिश या प्रार्थना एक



लालबागचा के दरबार में बॉलीवुड सितारों का समागम

मुंबई, यशभारत। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर, मुंबई के सुप्रसिद्ध लालबागचा राजा के पंडाल में हर साल की तरह इस साल भी आम भक्तों के साथ-साथ बॉलीवुड और टेलीविज़न जगत के कई सितारों का तांता लगा रहा। गणपति बप्पा के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए कई सेलेब्स अपने परिवार के साथ पहुंचे और भक्ति में लीन दिखाई दिए। प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी गणेश उत्सव के अवसर पर बप्पा का आशीर्वाद लेने पंडाल पहुंचे, जहाँ वे पूरी श्रद्धा के साथ भगवान गणेश के दर्शन करने नजर आए। इसी कड़ी में, अभिनेत्री तापसी पन्नू मशहूर लेखिका और फिल्ममेकर कनिका छिन्नो के साथ अवसर पर तापसी पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत और सादगीपूर्ण लुक में दिखीं। पंडाल में वे बप्पा का आशीर्वाद लेती और श्रद्धा भाव से हाथ जोड़कर नमन करती दिखीं, साथ ही पैपराज़ी को देखकर मुस्क्राते हुए पोज़ भी दिए। अभिनेता अजय देवगन भी अपने बेटे युग के साथ गणेशोत्सव के दौरान लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे।

बंद दरवाजे को खोल सकती है, चाहे वो एक छोटी सी उंगली के बराबर ही क्यों न हो। उन्होंने आगे कहा, बिना प्रार्थना किए कुछ मिले-नामुमकिन! कोशिश करते रहो, चलते रहो, लगे रहो, किसी दिन, वो दरवाजा तंग आकर खुल जाएगा। यह संदेश हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है कि जीवन में संघर्षों के बावजूद उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों क्रिज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18वां सीजन होस्ट कर रहे हैं, जो भारतीय टेलीविजन के सबसे सफल और आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में से एक बन चुका है। यह शो पहली बार वर्ष 2000 में शुरू हुआ था और तब से इसने लाखों लोगों को सपनों को पूरा करने का मंच दिया है। कौन बनेगा करोड़पति ब्रिटिश शो हू वांट्स टू बी अ मिलियनेयर? का हिंदी वर्जन है। इसका फॉर्मेट मूल शो जैसा ही है, जिसमें प्रतियोगियों से बहुविकल्पीय सवाल पूछे जाते हैं।



दीपिका-रणवीर के घर आई दूसरी नन्ही परी

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के पावर कपल, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह, 19 सितंबर 2026 को एक बार फिर माता-पिता बने हैं। इस बार भी उनके घर एक नन्ही बेटी ने जन्म लिया है। इस खुशी की खबर को उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक जॉइंट पोस्ट के जरिए साझा किया। पोस्ट में नवजात बच्ची के छोटे पैरों के निशान के साथ बेबी गर्ल का स्वागत हैः19/9/2026जुआ, दीपिका, रणवीर लिखा था। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस खुशखबरी पर अपनी खुशी जाहिर की। इससे पहले, रणवीर और दीपिका ने अपनी बड़ी बेटी दुआ के साथ प्यारी फैमिली तस्वीरें साझा की थीं। दीपिका और रणवीर ने इस साल अप्रैल में अपने दूसरे बच्चे के आगमन की घोषणा की थी। उनकी पहली बेटी दुआ का जन्म 8 सितंबर 2024 को हुआ था। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, दीपिका और रणवीर ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में एक निजी समारोह में शादी की थी।

सलमान ने बच्चे को भीड़ से बचाया

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान इन दिनों गणेश चतुर्थी के जश्न में पूरी तरह डूबे हुए हैं। बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए वह लगातार अलग-अलग गणपति पंडालों में पहुंच रहे हैं। अंबानी परिवार के गणपति उत्सव और अपने परिवार के गणपति विसर्जन में शामिल होने के बाद सलमान खान हाल ही में महाष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के घर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। जब सलमान खान वहां से बाहर निकल रहे थे, तो बाहर मौजूद फैंस की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ी। जब उनकी सिक्योरिटी टीम उन्हें भीड़ के बीच से उनकी कार की ओर ले जाने की कोशिश कर रही थी, तभी सलमान ने एक बच्चे को भीड़ के पास आते देखा। एक पैपराज़ी द्वारा शेरार किए गए वीडियो में सलमान को अपने बॉडीगार्ड को रोकते हुए दिखाया गया। उन्होंने बच्चे से हाथ मिलाया और फिर अपनी कार की ओर बढ़ने से पहले उसे भीड़ से बाहर निकलने में धीरे से मदद की। इस घटना ने सलमान की मानवता और बच्चों के प्रति उनके प्यार को दर्शाया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला, पी. जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेस प्रा. लि. राऊखेडी देवास रोड, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 22/1, पानिसपगा पालसिकर कॉलोनी बालनिकेतन स्कूल के पास, इंदौर (म.प्र.) 452007 से प्रकाशित। संपादक अम्बरीश तिवारी * प्रबंध संपादक अमरीश पचोरिया* सलाहकार संपादक श्याम कटरे RNI No. MPHIN/26/A1896 फ़ोन - 9111201000 email - indorevashbharat@gmail.com. (* पी. आर. बी. एक्ट के तहत समचर चयन के लिए जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)